हरिभूमि
# महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 13 जुलाई 2026

11 जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए चलाया...

12 हौसलों की उड़ानः शारीरिक चुनौतियों को मात देकर नीतीश...

### मासिक बैठक में नगर परिषद व जनस्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

# बंदरों, आवारा कुत्तों व बदहाल सुविधाओं पर फूटा वरिष्ठ नागरिकों का गुस्सा, आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर में बढ़ते बंदरों के आतंक, आवारा कुत्तों की समस्या और लगातार उपेक्षित पड़ी नागरिक सुविधाओं को लेकर वरिष्ठ नागरिक संगठन ने प्रशासन के प्रति गहरी नाराजगी जताई है। संगठन की मासिक बैठक में कहा कि अनेक बार शिकायतें देने के बावजूद कई समस्याएं वर्षों से जस की तस बनी हुई हैं। यदि संबंधित विभागों ने शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं की तो वरिष्ठ नागरिकों को धरना-प्रदर्शन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में रविवार को संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शहर से जुड़े कई जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सबसे प्रमुख मुद्दा शहर में बढ़ते बंदरों के आतंक का रहा। सदस्यों ने कहा कि बंदरों के काटने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों में भय का माहौल है। संगठन ने प्रशासन से मांग की कि बंदरों को पकड़कर आबादी से दूर जंगलों में छोड़ा जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। आवारा कुत्तों की समस्या पर भी सदस्यों ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने रघुनाथपुरा के पास गोशाला मार्ग स्थित डॉग शेल्टर का निरीक्षण किया, लेकिन वहां न कोई कर्मचारी मिला और न ही कोई कुत्ता दिखाई दिया। केवल डॉग वैन खड़ी मिली। संगठन का कहना था कि यदि नगर परिषद ने डॉग शेल्टर की व्यवस्था कर रखी है, तो उसका संचालन भी प्रभावी ढंग से होना चाहिए। शहर में बढ़ती आवारा कुत्तों की संख्या लोगों की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बन चुकी है।

नारनौल। वरिष्ठ नागरिक संगठन की बैठक लेते प्रधान दुलीचंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

**यह रहे मौजूद**

*बैठक का संचालन महासचिव मुखराम सैनी ने किया। इस मौके पर रामबिलास यादव, हरिराम गुप्ता, टिल्लूराम सैनी, धर्मराज गुप्ता, लालचंद सैनी, गोकुलचंद दायमा, जगदीश सैनी, भागीरथ प्रसाद, रोहतास सिंह लांबा, सोहनलाल चौहान, राजकुमार गुप्ता, सुरेश भारद्वाज, शिवहरि अग्रवाल, शंकरलाल गोयल, अजीत प्रकाश जैन, ओपी यादव, बिशन सिंह यादव, महेंद्र कुमार वर्मा, अशोक कुमार डोरा आदि सदस्य उपस्थित रहे।*

**सीवर हो रहे ओवरफ्लो**

बैठक में नई बस्ती स्थित सीआईए कार्यालय के पास लंबे समय से ओवरफ्लो हो रहे सीवर का मुद्दा भी उठाया गया। संगठन ने बताया कि पिछले महीने जनस्वास्थ्य विभाग को इस संबंध में अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे आसपास के लोगों को गंदगी और दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है। विभाग से तत्काल सीवर की मरम्मत कराने की मांग की।

**नेताजी पार्क की स्थिति पर जताई चिंता**

बैठक में नेताजी सुभाषचंद्र पार्क की बदहाल स्थिति पर भी चिंता जताई गई। वक्ताओं ने बताया कि एक एनआरआई के सहयोग से पार्क में करीब 300 पौधे लगाए गए हैं, लेकिन उनकी देखभाल के लिए पर्याप्त स्टाफ नहीं है। संगठन ने पार्क में कम से कम दो नियमित माली और एक चौकीदार नियुक्त करने, नियमित सफाई कराने तथा बीच की पगडंडियों पर लंबे समय से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की। मार्केट कमेटी के पदाधिकारी रामजीलाल मित्तल ने कहा बरसात के दौरान रेलवे रोड का पानी अनाज मंडी में भर जाता है, जिससे व्यापारियों और किसानों को परेशानी होती है। नई कोर्ट से गांव शेखपुरा तक सड़क और नाला निर्माण का मुद्दा भी बैठक में उठा। लालचंद सैनी ने कहा कि बरसात के समय इस मार्ग पर जलभराव होने से ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित होता है। उन्होंने सड़क और नाले का निर्माण जल्द करवाने की मांग की। संगठन ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में दिन-रात जलती रहने वाली स्ट्रीट लाइटों पर भी चिंता व्यक्त की।

## खबर संक्षेप

### खेड़ी तलवाना में मंदिर भवन का शिलान्यास आज

**कनीना।** गांव खेड़ी तलवाना स्थित बाबा भोलागिरी आश्रम में 13 जुलाई को भव्य धर्मकार्य का आयोजन किया जाएगा। प्रधान कप्तान ओमपाल सिंह व मोती लाटा ने बताया कि आश्रम परिसर में श्री राधा कृष्ण, श्री राम दरबार, श्री हनुमान जी और श्री बाबा भेरूजी मंदिर के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया जाएगा। प्रातः 9:15 बजे का समय निर्धारित किया है। मंदिर निर्माण कार्य का शिलान्यास इंस्पेक्टर राजवीर सिंह करेंगे।

### बाजरा पंजीकरण कराने गए किसान की बाइक चोरी

**मंडी अटेली।** अटेली मंडी में बाजरा फसल का पंजीकरण कराने आए एक किसान की बाइक चोरी हो गई। पीड़ित किसान ने मामले की शिकायत अटेली थाना पुलिस और ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कराई है। गांव बेगपुर निवासी महिपाल ने बताया कि वह अपनी बाजरा फसल का पंजीकरण कराने के लिए सीएसआर सेंटर गया था। उसने पाल पेंट गोदाम के सामने अपनी मोटरसाइकिल (एचआर-35ए-2770) खड़ी की थी। कुछ देर बाद बाहर लौटने पर बाइक वहां से गायब मिली। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में एक युवक मोटरसाइकिल ले जाता दिखाई दे रहा है। पीड़ित किसान ने पुलिस से जल्द बाइक बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की है।

नारनौल। शहर में प्रभात फेरी निकालते हुए। फोटो : हरिभूमि

### श्री राधे राधे मित्र मंडल ने निकाली प्रभात फेरी

**नारनौल।** शहर की नई धार्मिक एवं सामाजिक संस्था श्री राधे राधे मित्र मंडल प्रभात फेरी के तत्वावधान में रविवार को चौथी प्रभातफेरी मोहल्ला पीरआग से निकाली गई। जिसका शुभारंभ मुख्य यजमान माया देवी पत्नी कालू सैनी परिवार के सदस्यों ने पावन ज्योति प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाया। महिला, पुरुष व बच्चे भक्ति गीतों पर नाचते गाते हुए यात्रा में शामिल हुए। ढोल मृदंग और मंजीरों की मधुर धुन के साथ राधे-राधे नाम का संकीर्तन महिला मंडल के वरिष्ठ सदस्य मीनाक्षी शर्मा, सुमित्रा सैनी, प्रेम देवी ने राधा नाम का गुणगान करते हुए प्रभात फेरी निकाली। मंडल प्रचार मंत्री परमजीत शर्मा, यशपाल शर्मा ने बताया प्रभात फेरी की धनराशि गोमाता की सब्जी की सवामणी में खर्च की जाती है। प्रभातफेरी के सदस्य पपिया शर्मा ने बताया 19 जुलाई को प्रभात फेरी मोहल्ला श्याम कॉलोनी श्याम बाबा के तोरण द्वार के नजदीक से निकाली जाएगी।

### डॉ. नीरू यादव के पद छोड़ने और दूसरे विशेषज्ञ के प्रशिक्षण पर होने से बढ़ा संकट

# आई स्पेशलिस्ट के इस्तीफे से नागरिक अस्पताल की आंखों की सेवाएं लड़खड़ाई

- मरीजों की लंबी कतारें और ऑपरेशन प्रभावित,पुरानी माइक्रोस्कोपी मशीन भी बनी बाधा
- स्वास्थ्य मंत्री से जिला अस्पताल को संसाधनों और विशेषज्ञों की सौगात मिलने की उम्मीद

राजकुमार ⏭ नारनौल

जिला नागरिक अस्पताल में नेत्र रोग विभाग एकबार फिर गंभीर चिकित्सकीय संकट से जूझ रहा है। आई स्पेशलिस्ट डॉ. नीरू यादव के पद से इस्तीफा देने के बाद अस्पताल में नेत्र रोग विशेषज्ञ का एक पद रिक्त हो गया है। बताया जा रहा है कि डॉ. नीरू यादव गत 7 जुलाई के बाद से अस्पताल नहीं आ रही हैं। वहीं विभाग के दूसरे नेत्र रोग विशेषज्ञ प्रशिक्षण पर होने के कारण फिलहाल पूरे जिले के सरकारी अस्पताल की आंखों संबंधी सेवाओं का जिम्मा अकेले डॉ. नवीन यादव के कंधों पर आ गया है। इसका सीधा असर अस्पताल में आने वाले सैकड़ों मरीजों पर पड़ रहा है। जांच, परामर्श और ऑपरेशन जैसी सेवाओं पर दबाव बढ़ गया है, जिससे मरीजों को पहले की तुलना में अधिक इंतजार करना पड़ रहा है।

बता दें कि कुछ समय पहले तक नागरिक अस्पताल में तीन नेत्र रोग विशेषज्ञ कार्यरत थे। विशेषज्ञों की पर्याप्त संख्या होने के कारण मरीजों की जांच और ऑपरेशन नियमित रूप से हो जाते थे। अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। एक चिकित्सक के इस्तीफे और दूसरे के प्रशिक्षण पर चले जाने से विभाग में केवल एक विशेषज्ञ ही शेष रह गया है। ऐसे में प्रतिदिन ओपीडी में पहुंचने वाले मरीजों की बढ़ती संख्या को संभालना चुनौती बन गया है।

नेत्र रोग विभाग के बाहर सुबह से ही मरीजों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं।

नारनौल। नेत्र कक्ष में सेवाएं देते विशेषज्ञ डा. नवीन यादव। फोटो : हरिभूमि

**कहते हैं चिकित्सा अधिकारी**

*नेत्र विभाग में चिकित्सकों की कमी और आवश्यक संसाधनों के अभाव के संबंध में उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है। पत्राचार भी किया गया है। नए चिकित्सक की नियुक्ति तथा आवश्यक उपकरण उपलब्ध होने का इंतजार है, जिससे मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा सकें।*
*-डा. नवीन यादव, विशेषज्ञ एवं इंचार्ज नेत्र रोग कक्ष, नागरिक अस्पताल, नारनौल*

**अलग खबर**

आंखों की सामान्य जांच से लेकर गंभीर बीमारियों के उपचार और ऑपरेशन तक की जिम्मेदारी एक ही चिकित्सक पर होने से कार्य का दबाव लगातार बढ़ रहा है। कई मरीजों को देर तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है, जबकि कुछ मामलों में ऑपरेशन की तिथियां भी आगे बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आंखों की बीमारियों में समय पर उपचार बेहद जरूरी होता है और विलंब होने पर कई बार मरीज की परेशानी बढ़ सकती है।

सरकारी अस्पताल में उपचार में देरी और सीमित संसाधनों के कारण अनेक मरीज अब मजबूरी में निजी अस्पतालों का रुख कर रहे हैं। इसका सबसे अधिक आर्थिक बोझ गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। जिन मरीजों को सरकारी अस्पताल में निःशुल्क अथवा कम खर्च में उपचार मिल सकता था, उन्हें अब निजी अस्पतालों में हजारों रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिला अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संस्था में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी लंबे समय तक बनी रहना चिंता का विषय है। सिर्फ चिकित्सकों की कमी ही नहीं, बल्कि तकनीकी संसाधनों की स्थिति भी नेत्र रोग विभाग के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।

**अनके बार खराब रहती है माइक्रोस्कॉपी मशीन**

आंखों की गहन जांच में उपयोग होने वाली माइक्रोस्कोपी मशीन काफी पुरानी हो चुकी है और उसमें आए दिन तकनीकी खराबी आती रहती है। बताया जाता है कि यह मशीन सोनीपत अस्पताल से वहां नई मशीन स्थापित होने के बाद नारनौल भेजी गई थी। वर्षों पुरानी यह मशीन अनेक बार खराब रहती है। इस मशीन के कारण कई बार जांच कार्य प्रभावित होता है और चिकित्सकों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अस्पताल प्रशासन ने नई माइक्रोस्कोपी मशीन की आवश्यकता को लेकर उच्च अधिकारियों को अवगत कराया है। जिला उपायुक्त अनुपमा अंजली को भी जानकारी दी गई है। बताया जा रहा है कि उपायुक्त ने अपने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कोष से नई मशीन उपलब्ध कराने के लिए धन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। यदि नई अत्याधुनिक मशीन मिल जाती है तो न केवल जांच की गुणवत्ता बेहतर होगी, बल्कि चिकित्सकों का कार्य भी अधिक सुगम हो जाएगा और मरीजों को भी बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

**स्वास्थ्य मंत्री पर टिकी निगाहें**

जिले के लोगों की नजर अब प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री एवं अटेली की विधायक आरती राव पर भी टिकी हुई है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद उन्होंने अटेली अस्पताल में अल्ट्रासाउंड जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं, विशेषज्ञ चिकित्सकों की व्यवस्था की है तथा अस्पताल को मेदांता के साथ टाईअप जैसी महत्वपूर्ण पहल से जोड़ा है। ऐसे में जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल के लिए भी लोगों को इसी प्रकार के ठोस कदमों की उम्मीद है। नागरिक अस्पताल पूरे जिले के लाखों लोगों के लिए प्रमुख सरकारी स्वास्थ्य केंद्र है, इसलिए यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता समय की आवश्यकता मानी जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि नेत्र रोग विभाग में जल्द से जल्द रिक्त पद भरना आवश्यक है। साथ ही आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था और प्रशिक्षित स्टाफ उपलब्ध कराने से ही मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सकेगा। अन्यथा आने वाले दिनों में मरीजों का दबाव और बढ़ने से स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है।

# राजस्थान सीमा पर अज्ञात वाहन की टक्कर से ग्रामीण की मौत

**नारनौल।** नारनौल-राजस्थान सीमा क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति का पहले प्राथमिक उपचार कराया गया और उसे घर ले जाया गया, लेकिन रात के दौरान तबीयत बिगड़ने पर दोबारा चिकित्सक के पास ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर राजस्थान पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम नारनौल के नागरिक अस्पताल में करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस अज्ञात वाहन चालक की तलाश में जुटी है। मृतक की पहचान महेंद्रगढ़ जिले के गांव नांगल काठा निवासी करीब 55 वर्षीय रामौतार उर्फ महाश्य के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि रामौतार दिल्ली में एक डेयरी पर नौकरी करते थे। वह कुछ दिन पहले अपने पैतृक गांव नांगल काठा आए हुए थे। वहां से वह पैदल राजस्थान सीमा के गांव दुलोठ अहीर स्थित अपने भाई की सीमेंट की दुकान पर जा रहे थे। बताया गया कि भालोठ और दुलोठ के बीच रास्ते में किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह सड़क पर गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। घटनास्थल से गुजर रहे राहगीरों ने घायल के पास मिले आधार कार्ड के आधार पर परिजनों को सूचना दी।

# पुलिस ने देसी पिस्टल सहित हिस्ट्रीशीटर को पकड़ा

**2 मैगजीन, 10 जिंदा कारतूस बरामद**

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

पुलिस अधीक्षक दीपक के निर्देशानुसार जिले में अवैध हथियार रखने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए को एक और सफलता मिली है। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीटर को अवैध हथियार, दो मैगजीन, 10 जिंदा कारतूस तथा एक स्कॉर्पियो वाहन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए ने कार्रवाई के दौरान अमित निवासी मोहनपुर थाना नांगल चौधरी को काबू किया।

आरोपित के विरुद्ध पहले से ही हत्या के प्रयास, चोरी, आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के कुल 13 आपराधिक मामले दर्ज हैं। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध देसी पिस्टल, दो मैगजीन तथा 10 जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

इसके अलावा आरोपित के कब्जे से बिना नंबर प्लेट की एक स्कॉर्पियो गाड़ी भी बरामद कर पुलिस कब्जे में ली गई।

इस संबंध में थाना नांगल चौधरी में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मंडी अटेली। अंडरपास के पास काम करते किसान। फोटो : हरिभूमि

### मानसून के आते ही जिन खेतों में तबाही का मंजर दिखता था, अब वहां खुशहाली की नई फसल लहलहाएगी

# गुलावला में डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से पाइप लाइन योजना का 90 प्रतिशत काम हुआ पूरा

## अंडरपास पुलिया से बहने वाले बरसाती पानी से किसान परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

राष्ट्रीय राजमार्ग के उनिंदा बाईपास के समीप गांव धन्नौदा के शमशान घाट के समीप अंडरपास पुलिया से निकलने वाले पानी से आसपास के किसान परेशान हैं। पुलिया से निकलने वाले वर्षा के जलभराव व उससे आने वाले पानी के चलते किसानों की फसलें लगातार खराब हो रही हैं।

किसानों का कहना है कि वर्षा के मौसम में तो खेतों में एक फुट पानी खड़ा हो जाता है। किसान संजय कुमार, संदीप कुमार, हंसराज, राजेंद्र, गुरबेंद्र, सतबीर पंच, पप्पू ठेकेदार आदि ने बताया कि जब से बाईपास हाईवे बना है। उनके खेतों के लिए समस्या बन गई है। शमशान घाट के समीप हाइवे पर पुल बना हुआ है, उसका सारा वर्षा का पानी खड़ी फसलों में आ जाता है। किसानों ने बताया कि इस समस्या को लेकर नेशनल हाईवे प्राधिकरण को अनेक बार अवगत कर दिया है, लेकिन दिक्कत जस की तस बनी हुई है। वाहन चालकों के लिए तो रोड सुविधाजनक बना हुआ है, लेकिन उससे हम किसानों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

क्षेत्र के गांव गुलावला और इसके आसपास के किसानों के लिए बेहद उम्मीदों भरी खबर है। हर साल मानसून के आते ही जिन खेतों में तबाही का मंजर दिखाई देने लगता था, अब वहां खुशहाली की नई फसल लहलहाएगी। पहाड़ों से आने वाले बरसाती पानी के कारण सालों से बर्बादी झेल रहे गुलावला के किसानों की किस्मत बदलने वाली है। सिंचाई विभाग की करीब डेढ़ करोड़ रुपये की लागत वाली महत्वाकांक्षी पाइपलाइन योजना का काम 90 प्रतिशत तक काम पूरा हो चुका है। आगामी एक पखवाड़े में काम पूरा होने के बाद शीघ्र ही इस प्रोजेक्ट के पूरी तरह चालू होने की उम्मीद है, जिसके बाद पहाड़ों का यह पानी खेतों को डुबोने के बजाय पाइपलाइन के जरिए सीधे दोहान नदी में छोड़ दिया जाएगा।

गुलावला क्षेत्र के किसानों के लिए बरसात का मौसम हमेशा से एक दोहरी मार लेकर आता था। मानसून के दौरान जब पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश होती थी, तो वहां से तेज गति से आने वाला बरसाती पानी सीधे गुलावला के निचले इलाकों और खेतों में जमा हो जाता था। खेतों में हफ्तों तक पानी भरा रहने के कारण तैयार और बोई गई फसलें पूरी तरह सड़ जाती थीं।

इस योजना की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यह केवल जलभराव की समस्या का समाधान नहीं कर रही, बल्कि प्रकृति और जल संरक्षण के लिहाज से भी एक बड़ा वरदान साबित होने जा रही है। पाइपलाइन के माध्यम से इस पूरे पहाड़ी पानी को दोहान नदी में डाला जाएगा। दोहान नदी में पानी छोड़े जाने से क्षेत्र को दोहरे लाभ मिलेंगे। पिछले कुछ समय से इस पूरे क्षेत्र में अत्यधिक दोहन के कारण भूमिगत जलस्तर काफी नीचे चला गया था। नदी में लगातार पहाड़ी पानी आने से प्राकृतिक रूप से वाटर रिचार्जिंग होगी।

महेंद्रगढ़। यहां से जोड़ी जा रहीं हैं पाइप लाइन। फोटो : हरिभूमि

**सिंचाई विभाग की डेढ़ करोड़ की संजीवनी**

किसानों की इस गंभीर और सालों पुरानी समस्या को देखते हुए सिंचाई विभाग ने एक ठोस योजना तैयार की। लगभग 1.5 करोड़ रुपये के बजट से एक विशाल पाइपलाइन प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पहाड़ों से आने वाले पानी के रुख को मोड़कर उसे आबादी और कृषि भूमि से दूर करना है। इस समय पाइपलाइन को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अगले 15 दिनों के भीतर इस प्रोजेक्ट को पूरी तरह चालू कर दिया जाएगा। अब जैसे ही पहाड़ों से पानी नीचे आएगा, उसे आधुनिक और मजबूत पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए सुरक्षित तरीके से आगे बढ़ा दिया जाएगा, जिससे खेतों में एक बूंद पानी भी जमा नहीं हो सकेगा।

**यह कहते हैं अधिकारी**

*गुलावला प्रोजेक्ट का कार्य 90 प्रतिशत तक पूरा कर लिया गया है। शेष कार्य भी आगामी पखवाड़े में पूरा कर लिया जाएगा। इस योजना पर विभाग करीब डेढ़ करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। इसके शुरू होने से किसानों को दो तरह से फायदा मिलेगा।*
*-दीपक यादव, जेई, सिंचाई विभाग, महेंद्रगढ़*

*हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का धयान रखिये कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।*

**- स्वामी विवेकानंद**

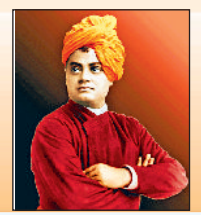

कहानी

आशमा कौल

# धूप का टुकड़ा

सर्दियों के दिन गुज़र गए थे और गर्मियों ने अपना डेरा डाल लिया था। अब विमला चारपाई को नीम के पेड़ की छांव में लगा कर सुस्ताया करती। उम्र बढ़ रही थी और विमला कुछ दिनों से थका हुआ महसूस कर रही थी। एक दिन बिना किसी को तकलीफ दिए वह उसी धूप के टुकड़े की बाहों में ऐसी सोई कि फिर कभी उठी ही नहीं।

आज बहुत दिनों के बाद कंचन मायके आई है और आदतन सबसे पहले पीछे आंगन में गई है। वह चारपाई के उसी कोने पर आ कर बैठी है, जहां मां रोज़ दिन में बैठती थी।

सुबह की गई काजल, जब भी दिन में स्कूल से घर लौटती तो आते ही मां को खोजना शुरू कर देती और कहीं न दिखने पर वह हमेशा अपने पिछले दरवाजे से बाहर जाकर मां को चारपाई के कोने पर ही बैठा पाती । उसे मालूम है कि मां को यह जगह बहुत पसंद है, हो भी क्यों न, पूरे दिन की थकी मां यहीं आकर तो थोड़ा विश्राम करती है। विमला गर्मियों में नीम के पेड़ की ओट में अपनी चारपाई लगा लेती और सर्दियों में अपनी चारपाई को थोड़ा सा धूप की तरफ़ खिसका कर अपनी ठंडी देह को थोड़ा गर्माइश देने की कोशिश करती।

पूरे दिन में यह आधा-पौना घंटा सिर्फ उसका होता, जिसमें वह जो मन आता वह करती। सर्दी के दिनों में उस नियत समय पर चारपाई के कोने में चुपचाप बैठे हुए धूप के उस टुकड़े को विमला अपनी बाहों में भर लेती या शायद यूं भी कह सकते हैं कि धूप का वह टुकड़ा उसे अपनी बाहों में भर लेता, एक अन्तरंग सखा की तरह। काजल के आने तक वह धूप का टुकड़ा भी अलविदा कह कर चला जाता और विमला काजल के लिए गरम-गरम रोटियां सेंकने रसोई घर में चली जाती। मां-बेटी साथ बैठ कर दिन का भोजन करतीं और फिर काजल अपनी सहेलियों के साथ खेलने चली जाती। जब सूरज अपने घर जाने की तैयारी में होता, तब विमला शाम के भोजन की तैयारी में जुट जाती। बेटा सुधीर शाम को कॉलेज से घर आता और उसके कुछ देर बाद ही पति भी दफ्तर से आ जाते। रात के भोजन में ज्यादा काम रहता तो काजल भी रसोई के काम में मां का हाथ बंटाती। घर में पतिदेव भी कभी-कभी मज़ाक करते –

"दिन में जब कभी मैं घर आ जाऊं तो तुम्हारी मां को तो फुरसत ही नहीं होती, वह तो अपने सखा धूप के संग गल बहियां डाले मस्त हो जाती है''।

यह सुनकर सब हंसते और विमला भी चिरोरी करने से बाज़ न आती और कहती –

" आप चिढ़ते क्यों हो मेरे प्रेमी से, यह मेरा सच्चा हमदर्द है, आपकी तरह सिर्फ आदेश नहीं देता, बल्कि अपने प्यार से मुझमें ऊर्जा का संचार करता है। और तो और, उसने मुझसे वादा कर रखा है कि वह मुझसे दिन में एक बार मिलने तो ज़रूर आएगा"।

समय नदी की धार की तरह बहता रहा और सुधीर और काजल उस धार में डुबकियां लगाते बड़े हो गए और वह दिन भी आ गया जब सुधीर दूल्हा बना और अपनी दुल्हिन कंचन को धूमधाम से घर ले आया। कंचन के आने से घर खुशियों से भर गया और काजल को भी एक सहेली मिल गयी या यूं कहें कि बहन मिल गई। कंचन भी काम पर जाती थी, फिर भी सवेरे के समय में वह सासु मां का हाथ बंटाती और शाम को दफ्तर से आने के बाद भी खाने की मेज़ सजाने में मदद करती। लेकिन विमला के दिन का नियम नहीं बदला, सर्दी हो या गर्मी, धूप का टुकड़ा उनसे मिलने रोज़ ही आता और वह भी चारपाई पर बैठ उसे अपने आगोश में भर लेती। कभी कभी ऐसा भी होता कि बादल उस धूप के टुकड़े को लोरी सुनाकर अपने रेशमी आंचल में सुला देते, तब विमला बच्चों की तरह उदास हो जाती और आकाश में ऊपर देख कर बादलों से उसको रिहा करने की गुजारिश करती। अब तो उसकी बहू कंचन भी उसके इस गुप्त प्रेम से वाकिफ़ हो गई थी और उसे छेड़ती थी। सर्दी के छुट्टी वाले दिन तो अब मां के साथ-साथ बहू और बेटी भी उस धूप के टुकड़े की गर्माइश लेने चारपाई पर आ धमकती और उस मीठी-मीठी गर्माइश को अपने अंदर समेट लेतीं।

कभी-कभी विमला के पड़ोस की सहेलियां भी चारपाई पर अपने ऊन के गोले और सलाइयां लेकर बैठ जाती और फिर जमती उनकी गप्पों की महफिल। सर्दियों में चाय के कप टकराते और मूंगफली और गजक की दुकान लग जाती। लेकिन विमला को पसंद था चुपचाप उस धूप के टुकड़े से बतियाना। अपनी कितनी ही मन की बातें वह मन ही मन अपने उस खास मित्र से करती और न जाने कितने सवालों के जवाब भी उससे पा लेती और कभी आंखें बंद करके उसकी ऊर्जा को अपने अंदर उतारने की कोशिश करती। यह सब देख कर उसकी सहेलियों को उससे ईर्ष्या भी होती और उनमें से बड़बोली रमा बोल ही देती कि -

" विमला, हमे मालूम है तुम्हें हमारी कोई जरूरत नहीं है, तुम तो अपनी दुनिया में खोई रहती हो, हम तो बस तुम्हारी खैर खबर लेने आ जाते हैं। वैसे हमारी किस्मत तुम्हारे जितनी अच्छी भी नहीं है, हमारे आंगन में तो ये धूप दर्शन ही नहीं देती, इसलिए भी कभी-कभी आ जाते हैं"।

" ऐसी कोई बात नहीं, आप चाहो तो रोज़ आओ, धूप किसी की जागीर तो नहीं, इस पर तो सबका हक है। मैं तो अपने हिस्से की धूप ले ही लेती हूं, आपकी जब इच्छा हो आओ, चारपाई तो वहां बिछी ही रहती है" – विमला ने प्यार से कहा तो सभी सहेलियां खुश हो गई।

कंचन भी पढ़-लिख कर स्कूल में अध्यापिका बन गई और अब उसके ब्याह के लिए भी रिश्ते आने लगे। मां-पिता और भैय्या-भाभी सब उसके लिए अच्छा वर ढूंढने में लग गए। कभी लड़का-लड़की की जन्मपत्री न मिलती, कभी कद-काठी न मिलती तो कभी स्वभाव न मिल पाता। कंचन झुंझला कर कहती –" मां, मुझे परेशान न करो, मैं आपके पास बहुत खुश हूं" तो विमला का जवाब हमेशा यही होता– "जोड़ियां तो ऊपर आकाश में बनती हैं, तुम्हारे लिए जो बना है वह खुद ब खुद सामने आ जाएगा और तुम्हें ब्याह कर ले जाएगा"। बिल्कुल ऐसा ही हुआ, एक पारिवारिक समारोह में कंचन किसी के मन को भा गई और ईश्वर की कृपया से जन्मपत्री, कद-काठी और दोनों का स्वभाव भी मिल गया तो फिर क्या था। दोनों परिवार मिले और ब्याह की तारीख भी निश्चित हो गई। पूरा घर लाड़ली बिटिया के ब्याह की तयारियों में लग गया और वह खूबसूरत दिन भी आ गया, जब कंचन दुल्हन के जोड़े में धमक रही थी।

विमला, बेटी की बलैयां लेते न थकती और ईश्वर को प्रणाम करना न भूलती। बहुत धूम-धाम से विवाह सम्पन्न हुआ और कंचन अपने सुसराल चली गई। बहुत दिनों तक घर वाले कंचन के बिना उदास रहे और खास कर मां अपनी बेटी की याद में बार-बार आंसू बहाती। लेकिन वह बहुत खुश भी थी कि बिटिया को एक बहुत अच्छा ससुराल और सुयोग्य वर मिला है। विवाह की व्यस्तता में भी विमला कुछ पल अपने मित्र से मिल ही लेती और अब तो वह अपने नियत समय पर चारपाई के कोने पर बैठी मिलती। कुछ समय उपरांत बहू गर्भवती हुई तो विमला उसे भी थोड़ी देर धूप में बैठने के फायदे बताती और अब दो से भले तीन हो गए थे इस मित्रता के बंधन में और समय बीतते देर न लगी। विमला दादी की पदवी पर आ गई और अब तो उस नन्हे-मुन्ने के साथ धूप के हमझोली तीन से चार हो गए ।

दिन में विमला मुन्ने को लेकर चारपाई पर खेलती, मालिश करती और उस धूप के टुकड़े के आगोश में उसे सुलाती। अब मुन्ने का साम्राज्य हो गया था तो सहेलियां भी हाल-चाल पूछ कर आगे निकल जाती। कंचन बिटिया जब कभी दिन में ससुराल से मायके आती तो मां और मुन्ना से मिलने सीधा पीछे आंगन में आती और मुन्ना को अपनी गोद में लेकर, खुद मां की गोद में लेट जाती और अपने ससुराल और स्कूल की बातें बता कर दिल को हल्का करती ।

सर्दियों के दिन गुज़र गए थे और गर्मियों ने अपना डेरा डाल लिया था। अब विमला चारपाई को नीम के पेड़ की छांव में लगा कर सुस्ताया करती। उम्र बढ़ रही थी और विमला कुछ दिनों से थका हुआ महसूस कर रही थी। एक दिन बिना किसी को तकलीफ दिए वह उसी धूप के टुकड़े की बाहों में ऐसी सोई कि फिर कभी उठी ही नहीं।

छुट्टी का दिन था और सब घर में ही थे, हंगामा मच गया। डॉक्टर को बुलाया गया, लेकिन विमला तो बिना किसी को अलविदा कहे सूरज के पंखों पर बैठ कर अनजान दुनिया के लिए निकल गई थी।

आज विमला को देह त्यागे एक वर्ष हो गया है, लेकिन धूप का टुकड़ा उससे मिलने अभी भी रोज़ आता है और सबको विमला की याद दिलाता है। कंचन ससुराल में व्यस्त हो गयी है और अब मायके कम ही आ पाती है।

आज बहुत दिनों के बाद कंचन मायके आई है और आदतन सबसे पहले पीछे आंगन में गई है, शायद मां की यादें समेटने। वह चारपाई के उसी कोने पर आ कर बैठी है, जहां मां रोज़ दिन में बैठती थी। उसे महसूस हो रहा है, जैसे वह धूप का टुकड़ा नहीं, उसके मां की गरम हथेलियां हैं, जो उसे सहला रही हैं और उसे पता ही न चला कि वह कब नींद के आगोश में आ गई। घर में सब कंचन को ढूंढ रहे हैं कि वह कहां गई, किसी को पता ही न चला कि वह मां की तरह गुनगुनी और नर्म धूप की बाहों में सो रही है।

पुस्तक समीक्षा

## भवन निर्माण संबंधी शास्त्र का भंडार है 'वास्तु विज्ञान'

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

वास्तुशास्त्र भारतीय ज्ञान परम्परा की एक महत्वपूर्ण विधा है, जो ब्रह्माण्ड और प्रकृति के मूलभूत सिद्धान्तों के साथ मानव निवास के सामंजस्य को समझाने का प्रयास करती है। पृथ्वी के वातावरण में ये ऊर्जाएं मुख्यतः उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम की दिशा में निरन्तर प्रवाहित होती रहती हैं। जब पृथ्वी पर किसी भवन या संरचना का निर्माण किया जाता है, तब इन ऊर्जाओं के प्राकृतिक प्रवाह में परिवर्तन अथवा अवरोध उत्पन्न होता है। यही ऊर्जाएं निर्मित भवन में भी प्रवेश करती हैं और भवन की दिशा, संरचना तथा आन्तरिक व्यवस्था के आधार पर उनके सन्तुलन का स्वरूप निर्धारित होता है।

प्राचीन आचार्यों द्वारा प्रतिपादित वास्तुशास्त्र इसी उद्देश्य की पूर्ति का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम माना गया है। इसी विषय पर आधारित सोमप्रकाश पांचाल की लिखी पुस्तक 'वास्तु विज्ञान' का प्रकाशन श्री अंगिरा शोध संस्थान द्वारा किया गया है। पुस्तक को कुल ग्यारह अध्यायों में विभाजित किया गया है। आधुनिक युग में भी वास्तु शास्त्र की क्या महत्ता है और इसे अपनाने के क्या लाभ हानि हो सकते हैं, इस बारे में पुस्तक में विस्तार से बताया गया है। लेखक ने अपनी बात को गहराई से समझाने के लिए पुस्तक में रेखा चित्रों का भी बखूबी इस्तेमाल किया है। मकान या भवन आदि के निर्माण के समय बरती जाने वाली वास्तु संबंधी तमाम जानकारियों से लबरेज यह पुस्तक वास्तव में वास्तु शास्त्र में विश्वास रखने वालों के लिए लाभदायक साबित होगी। क्लिष्ट शब्दावली इस्तेमाल में लाई गई है। हालांकि इसे आसानी से समझाने के लिए अंग्रेजी के शब्द भी साथ में दिए हैं। कई जगह संदर्भ के लिए संस्कृत के श्लोकों का भी वर्णन है। किन्तु विषय विशेष को देखते हुए इसे लेखन की आवश्यकता भी माना जा सकता है। वास्तु शास्त्र संबंधी लाभकारी बातों की शुचिता के लिए लेखक ने संदर्भित ग्रन्थों व अन्य सहायक सामग्री का भी विवरण दिया है। करीब सवा तीन सौ पृष्ठों में संकलित यह पुस्तक वास्तु विज्ञान में रुचि रखने वाले पाठकों और शोधार्थियों के लिए काफी लाभदायक रहेगी, ऐसा माना जा सकता है। कुल मिलाकर वास्तु विज्ञान को लेकर पाठकों का ज्ञानवर्धन करने का लेखक का यह प्रयास काफी सराहनीय रहा है।

कवि कॉर्नर

कविता | डॉ. जेके डागर

### वाणी का महत्व

कटु वचनों से जिंदगी सदा जहर होगी।
मीठी वाणी बोलिये तो सुधा नहर होगी।

दुश्मन को सखा बना देगा जुबाँ का जादू,
काबू रखिये इसे खुशियों की लहर होगी।

सदा तोल मोल कर बोलोगे तो पाओगे,
हर शाम शांतिपूर्ण, मुस्काती सहर होगी।

शोले बरसाते रहे जोअगर सदा रसना से ,
अपने और अपनों को हरदम कहर होगी।

छान छान कर कहे डागर,जो शब्द रसीले
तेरी चर्चा हर गांव गांव और शहर होगी।।

कविता | मनीषा मंजरी

### रिश्ता

खून का हो या कच्चे धागे का
रिश्ता तो आखिर रिश्ता ही है।

चमन का माली से, जीजा का साली से,
कीड़े का नाली से, दशहरे का दिवाली से।
रिश्ता तो .....

सजनी का साजन से, घर का आँगन से,
नाग का नागिन से, चोली का दामन से।
रिश्ता तो .....

मछली का पानी से,राजा का रानी से,
आकाश का तारों से, नदिया का किनारों से।
रिश्ता तो.....

राधा का श्याम से,रामायण का राम से,
घोड़े का लगाम से,मालिक का गुलाम से।
रिश्ता तो .....

कल का आज से, मूलधन का ब्याज से,
सब्जी का प्याज से, शाहजहाँ का मुमताज से।
रिश्ता तो .....

म्यान का तलवार से,सैनिक का हथियार से,
डॉक्टर का बीमार से,बनिए का बाजार से।
रिश्ता तो.....

शायर का कलम से, प्रियतमा का सनम से,
सच्चाई का धर्म से,और मृत्यु का जन्म से।
रिश्ता तो.....

नाविक का नाव से,और जूती का पाँव से,
पहलवान का दाव से,सुधीर का कौल गाँव से।
रिश्ता तो आखिर रिश्ता ही है।

# शोक सभा में ब्रांडेड कपड़े और चश्मा

बचपन | आसिम अनमोल

एक ज़माना था शोक की खबर प्रत्येक मानव जाति के हृदय पर ग़मों की बौछार कर देती थी। आज के समय में इंसान मर रहा होता है तो उस पर दृष्टि डालना तो दूर खुद जीने के प्रयास में बड़े परिश्रम से लगा रहता है। पहले के लोग शोक सभा में जाने से पहले दहाड़े मार-मारकर पूरी सामाजिकता निभाते हुए रो-रोकर और आंखें फोड़ लिया करते थे। आज उन्ही आंखों को गुलाब जल से धोकर पहले स्वस्थ किया जाता है। फिर नैनों में काजल भरकर रील बनाकर वायरल किया जाता है।

पहले के लोग वस्त्र जो पहने होते थे, उसी अवस्था में शोक की ख़बर सुनकर फाइव जी स्पीड से भाग खड़े होते थे। मनुष्य आज ख़बर सुनने के बजाय टी.बी. पर चल रही वेब सीरीज़ देखना ज्यादा पसंद कर रहा है। शोक ख़बर सुनने के उपरांत इतना आधुनिक हो जाता है इंसान कि पत्नी से यह कहने की चेष्टा तक कर डालता है कि सेफ़ से अच्छा सा सूट निकाल देना। संसार से जाने वाला भी बहुत शौक़ीन था कपड़े पहनने का। शोक का माहौल है तो क्या हुआ। साफ़- साफ़ ब्रांडेड कपड़े

पहनकर जाने से मरने वाले की आत्मा को शान्ति तो मिलेगी। स्टेटस भी बना रहेगा। शोक का माहौल अब इंसान के मूड पर परिवर्तित हो गया है। अब शोक की ख़बर जैसे ही इंसान के कानों तक पहुंचती है, चेहरों पर वो भाव ही नज़र नहीं आते जिन चेहरों पर उदासीनता की मोहर छप जाती थी। अब शोक की ख़बर तक को फ़ोन पर ही निपटा दिया जाता है। शोक में आने वाला भी अर्थी उठने से पांच मिनट पहले आकर इतिश्री कर लेता है। पुरुष तो पुरुष महिलाएं भी शोक में जाने के लिए नए-नए वस्त्रों का चयन करने से खुद को रोक नहीं पातीं । उनका भी आधुनिक हृदय चटक-पटक वस्त्र पहनने के लिए खूब मचलता है। शोक में श्वेत वस्त्र उनके हृदय को ऐसे खटकता है, जैसे इस संसार से उनका जाने का कोई इरादा न हो। रंग-बिरंगे आधुनिक वस्त्रों को धारण करने से शोक का माहौल रंगीनियत में परिवर्तित करने की जैसे मुहिम छिड़ी हुई है। परिवर्तन ही शाश्वत नियम है। अब लिपस्टिक ओठों पर न लगी हो, आंखों पर काला चश्मा न हो तो शोक वाले घर में आधुनिकता का ढोल कैसे पिटेगा। वैसे भी जाने वाला तो चला गया। उसको देखने आने वाले लोग अपने अपने तरीके से आएंगे और जाएंगे।

*जब तक अर्थी शमशान घाट तक का सफर तय नहीं कर लेती, तब तक दुनियादारी की सारी बातें शोक सभा में ही बातों का टारगेट पूरा करके दम लेंगी।*

अपने अनोखे तौर तरीकों से शोक सभा में बातचीत करने की कला का प्रदर्शन भी करेंगे। ऐसे प्रदर्शनों से लोगों की बड़े पैमाने पर सहभागिता भी रहेगी। जब तक अर्थी शमशान घाट तक का सफर तय नहीं कर लेती, तब तक दुनियादारी की सारी बातें शोक सभा में ही बातों का टारगेट पूरा करके दम लेंगी। यह तय और सुनिश्चित है।

कुछ हटकर

## बैचलर इन फैशन डिजाइन के क्षेत्र में बनाएं करियर

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन फैशन डिजाइन (बी.डिज़ाइन फैशन डिजाइन) चार वर्षीय रचनात्मक एवं व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को फैशन, परिधान निर्माण, स्टाइलिंग, डिजाइन सौंदर्यशास्त्र और फैशन उद्योग की व्यावहारिक समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः फैशन इलस्ट्रेशन, टेक्सटाइल डिजाइन, गारमेंट कंस्ट्रक्शन, पैटर्न मेकिंग, फैशन स्टाइलिंग, फैशन मर्चेंडाइजिंग, फैशन मार्केटिंग, कॉस्ट्यूम डिजाइन, विजुअल मर्चेंडाइजिंग, कंप्यूटर एडेड डिजाइन (CAD) और फैशन फोरकास्टिंग जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है। इन विषयों का वास्तविक जीवन और उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। फैशन डिजाइन केवल कपड़ों की डिजाइनिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व, संस्कृति, ट्रेंड, ब्रांडिंग और लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। टेक्सटाइल एवं गारमेंट डिजाइन फैशन उत्पादों की गुणवत्ता और आकर्षण को बढ़ाते हैं।

### विशेषज्ञताएं

- फैशन डिजाइन
- टेक्सटाइल डिजाइन
- फैशन स्टाइलिंग
- फैशन कम्युनिकेशन
- कॉस्ट्यूम डिजाइन
- लक्जरी एवं लाइफस्टाइल डिजाइन
- फैशन मर्चेंडाइजिंग
- विजुअल मर्चेंडाइजिंग
- एक्सेसरी एवं ज्वेलरी डिजाइन
- फैशन मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग
- सस्टेनेबल फैशन डिजाइन
- डिजिटल फैशन एवं फैशन टेक्नोलॉजी

### आवश्यक कौशल

- फैशन स्केचिंग एवं इलस्ट्रेशन कौशल
- डिजाइन सॉफ्टवेयर की समझ
- रंग संयोजन एवं फैब्रिक चयन की जानकारी
- ट्रेंड एनालिसिस व फैशन फोरकास्टिंग क्षमता
- गारमेंट निर्माण एवं पैटर्न मेकिंग की समझ होना

### सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- टेक्सटाइल एवं हस्तशिल्प विभाग
- डिजाइन एवं शिक्षा संस्थान
- पॉलिटेक्निक एवं डिजाइन संस्थानों में व्याख्याता

**आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):**

- फ्रेशर: लगभग ₹3.5–₹7.0 लाख वार्षिक (विभाग एवं पदानुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग ₹8–₹18 लाख वार्षिक; विभिन्न सरकारी परियोजनाओं एवं परामर्श भूमिकाओं में अतिरिक्त अवसर उपलब्ध

### निजी क्षेत्र में विकल्प

फैशन एवं लाइफस्टाइल उद्योग आज विश्व के सबसे बड़े रचनात्मक एवं रोजगार-उन्मुख क्षेत्रों में से एक है। फैशन ब्रांड्स, डिजाइन स्टूडियो, ई-कॉमर्स कंपनियाँ, मीडिया हाउस और लक्जरी उद्योग ऐसे प्रोफेशनल्स की तलाश में रहते हैं जो रचनात्मकता और व्यावसायिक समझ के साथ कार्य कर सकें।

### उच्च अध्ययन के विकल्प

- मास्टर ऑफ डिजाइन (एम.डिजाइन)
- एम.बी.ए. फैशन मैनेजमेंट
- पी.जी. कार्यक्रम इन फैशन स्टाइलिंग एवं लक्जरी ब्रांडिंग
- टेक्सटाइल एवं सरफेस डिजाइन में विशेषज्ञता

अधिक जानकारी के लिए **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

## मोटिवेशनल

### सुविधा के दौर में संघर्ष का महत्व

आज का समय अभूतपूर्व सुविधाओं का समय है। एक क्लिक पर भोजन घर पहुंच जाता है, मोबाइल फोन पर दुनिया भर की जानकारी उपलब्ध है। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकों ने जीवन को पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। सुविधाएं मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए हैं, लेकिन इनके बीच एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उभर रहा है, क्या सुविधा की अधिकता हमें संघर्ष से दूर कर रही है? हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां होती हैं।

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

पहले संसाधनों की कमी थी, आज विकल्पों की अधिकता है। पहले लोगों को अवसर खोजने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, आज अवसर हमारी स्क्रीन पर दिखाई देते हैं। लेकिन एक बात तब भी सत्य थी और आज भी है, स्थायी सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। सफलता का मार्ग आज भी मेहनत, धैर्य, अनुशासन और संघर्ष से होकर ही गुजरता है।वर्तमान समय में कई युवा त्वरित सफलता की अपेक्षा रखते हैं। सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली उपलब्धियां, कुछ महीनों में प्रसिद्धि पाने की कहानियां और रातों-रात सफल होने की धारणा कई बार युवाओं को वास्तविकता से दूर ले जाती है। वे सफलता का परिणाम देखते हैं, लेकिन उसके पीछे वर्षों का परिश्रम, असफलताएं और संघर्ष नहीं देख पाते। यही कारण है कि छोटी असफलता भी कई युवाओं को निराश कर देती है। वास्तव में संघर्ष केवल कठिनाइयों का नाम नहीं है। संघर्ष वह प्रक्रिया है जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को मजबूत बनाती है। जब हम चुनौतियों का सामना करते हैं, तब हमारे भीतर धैर्य, आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और समस्या-समाधान की योग्यता विकसित होती है। जीवन की कठिन परिस्थितियां हमें वह सिखाती हैं, जो अक्सर किताबें नहीं सिखा पातीं। इतिहास गवाह है कि अधिकांश सफल व्यक्तियों ने संघर्ष का सामना किया है। संघर्ष का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है, असफलताओं को स्वीकार करना।

आज की दुनिया में तकनीक बदल सकती है, अवसर बदल सकते हैं और काम करने के तरीके बदल सकते हैं, लेकिन संघर्ष का महत्व कभी कम नहीं होगा। सुविधा हमें गति दे सकती है, लेकिन संघर्ष हमें क्षमता देता है। सुविधा रास्ता आसान बनाती है, जबकि संघर्ष व्यक्ति को मजबूत बनाता है। अंततः जीवन में वही लोग आगे बढ़ते हैं जो चुनौतियों से घबराते नहीं, बल्कि उन्हें सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मानते हैं। इसलिए युवाओं को सुविधा का लाभ अवश्य लेना चाहिए, लेकिन संघर्ष से दूरी नहीं बनानी चाहिए। क्योंकि चरित्र सुविधा से नहीं, बल्कि संघर्ष से बनता है। और मजबूत चरित्र ही स्थायी सफलता की सबसे बड़ी नींव है।

## लघु कथा

### उधार की जुबान

मंच पर आज वो कुछ ज़्यादा ही चमका था।
विरोधी पर हमला करते-करते सीधे उसकी बहन तक उतर आया था।
भीड़ खिलखिला रही थी—जैसे किसी का अपमान नहीं, कोई मज़ाक चल रहा हो।
तालियां... सीटी... ठहाके ...और वो- गर्व से भरा हुआ।

डॉ. अंजना गर्ग
कहानीकार

मंच से उतरते वक्त उसने सोचा—"आज तो खेल कर दिया..."
घर पहुंचा—तो बाहर ही "खेल" चल रहा था।
पड़ोसी उसकी पत्नी से उलझा हुआ था,
बेटी रो रही थी...
और फिर—
"तुम्हारी बेटी भी...!"
वही शब्द।
वही लहजा।
वही गंदगी।
नेता ठिठक गया।
"ज़ुबान संभालकर बात करो!" वो चीखा।
पड़ोसी हंसा—"अरे नेता जी, नाराज़ क्यों होते हैं?
ये ज़ुबान तो आपकी ही दी हुई है...बस आज उधार लौटाई है।"
आसपास खड़े लोग चुप थे- पर उनकी आंखों में वही तालियां बज रही थीं।
नेता के पास शब्द नहीं थे। पहली बार उसे अहसास हुआ
वो शब्द जो वो दूसरों की बेटियों के लिए बोलता रहा,
आज उसके अपने घर का दरवाज़ा खटखटा रहे है।
घुमंतू कहता हुआ ,आगे बढ़ गया
"शब्द कभी मरते नहीं...
बस वक्त आने परअपना पता बदल लेते हैं।"

## खबर संक्षेप

### श्रद्धा पूर्वक निकाली 53वीं प्रभातफेरी

**नारनौल।** शहर की धार्मिक एवं सामाजिक संस्था श्री राधा रानी प्रभात फेरी ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को 53वीं प्रभात फेरी का आयोजन श्रद्धा भक्ति एवं उत्साह के साथ किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य यजमान ईश्वर बंसल पुत्र हेमराज बंसल पंसारी के मोहल्ला खड़खड़ी स्थित निवास स्थान से विधिवत पूजा अर्चना के साथ किया। प्रभात फेरी शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए निकली। यात्रा के दौरान श्रद्धालु राधा कृष्ण के भजनों का संकीर्तन करते हुए श्री राधे राधे और जय श्री राधे के जयघोष लगाते रहे पूरे मार्ग में भक्तिमय का वातावरण बना रहा। विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने प्रभात फेरी का पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया।

### निःशुल्क शिविर का 40 मरीजों ने उठाया लाभ

**कनीना।** सेवा भारती संस्था की ओर से रविवार को निःशुल्क किडनी एवं सामान्य रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। 100वें चिकित्सा शिविर में रेवाड़ी निजी अस्पताल के किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. तरुण यादव व सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. जयश्री ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में 40 मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। आपको बता दें कि सेवा भारती संस्था की ओर से प्रत्येक महीने के दूसरे रविवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। वही प्रतिदिन आर्य समाज मंदिर में एक निःशुल्क ओपीडी का भी संचालन किया जाता है, जिससे रोजाना औसतन 50 मरीज लाभान्वित होते हैं। इस मौके पर कृष्ण, मुस्कान, किरन, पवन, प्रताप यादव सहित शाखा अध्यक्ष सुरेश शर्मा, योगेश अग्रवाल, श्याम सुन्दर, अमित सिंगल, प्रेम सिंगला, दिनेश जांगड़ा आदि उपस्थित थे।

### बीएलओ ने दिखाई कार्यकुशलता

**नारनौल।** विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जहां कई स्थानों पर बीएलओ की लापरवाही और धीमी कार्यप्रणाली की शिकायत के सामने आ रही है। वहीं शहर के बूथ नंबर 103 पर तैनात बीएलओ अनिल कुमार ने समय से पहले कार्य पूरा कर मिसाल पेश की है। 14 जुलाई तक निर्धारित अभियान के बीच उन्होंने घर-घर पहुंचकर मतदाताओं को फॉर्म वितरण किया, वहीं मौके पर ही भरवाकर बड़ी संख्या में आवेदन पोर्टल पर अपलोड अपना कार्य पूरा भी कर दिया है। बूथ के मतदाताओं ने बीएलओ की कार्यशैली की सराहना की है। उनका कहना है कि उन्हें ना तो किसी को कार्यालय के चक्कर लगाने पड़े और न ही फॉर्म भरने में किसी प्रकार की परेशानी हुई। बीएलए-2 गोपाल जैन ने बताया कि अनिल कुमार ने पूरी प्रक्रिया सरल तरीके से पूरी कार्रवाई। सुरेंद्र जैन ने बताया कि बूथ 103 पर करीब 1041 मतदाता है, जिनमें से लगभग 837 वो मतदाता हैं।

### वशिष्ठा ने यूनिवर्सिटी में बनाया पांचवां स्थान

**मंडी अटेली।** अटेली महिला कालेज के कामर्स के छठे सेमेस्टर में अध्ययनरत गणियार गांव की वशिष्ठा पुत्री संदीप ने

मीरपुर यूनिवर्सिटी में पांचवा स्थान हासिल कर कालेज में तीन वर्षों से प्रथम स्थान हासिल किया है। इससे पहले पांचवें व द्वितीय सेमेस्टर में भी आठवा रैंक हासिल किया था। लड़की के माता-पिता बीपीएल धारक हैं। छात्रा प्रारंभ से ही होशियार रही है। मेट्रिक में 98 प्रतिशत प्रतिशत तथा 12वीं में 87 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल व गांव का नाम रोशन किया है। छात्रा अब बीए कार्मस 75 प्रतिशत से उर्तीण की है। कालेज के प्राचार्य प्रवीण कुमार सहित आदि दूसरे प्राध्यापकों ने छात्रा को बधाई दी।

### शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध: रविन्द्र गोठवाल

# जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए चलाया जा रहा अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग परिमंडल को नए अधीक्षण अभियंता के रूप में रविंद्र गोठवाल का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। पूर्व अधीक्षण अभियंता एसपी जोशी को पंचकूला मुख्यालय में नई जिम्मेदारी मिलने के बाद रविंद्र गोठवाल ने सर्कल का कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के उपरांत उन्होंने जिले के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक के पश्चात परिमंडल कार्यालय परिसर में पीपल का पौधा लगाकर, जिले में प्लांटेशन ड्राइव का शुभारंभ किया। उन्होंने सभी कार्यकारी अभियंताओं, उपमंडल अभियंताओं तथा कनिष्ठ अभियंताओं को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने अधीन आने वाले सभी वाटर वर्क्स, बूस्टर, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा कार्यालय परिसरों में व्यापक स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु पौधारोपण के लिए सबसे उपयुक्त समय है, इसलिए अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और परिसरों के सौंदर्यीकरण में योगदान दिया जाए। बैठक में अधीक्षण अभियंता ने मानसून सीजन को देखते हुए सभी प्रकार की मशीनरी की जांच कर उन्हें पूरी तरह दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि कहीं भी पेयजल की कमी, दूषित जलापूर्ति अथवा जलभराव जैसी स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बरसात के मौसम में पाइपलाइन लीकेज, टूटी हुई पाइपलाइन अथवा अन्य तकनीकी खराबियों को प्राथमिकता के आधार पर तुरंत ठीक किया जाए, जिससे दूषित पानी की आपूर्ति की संभावना समाप्त हो सके। अधीक्षण अभियंता ने आम नागरिकों से भी अपील करते हुए कहा कि अपने आसपास पानी जमा न होने दें। कूलर, पुराने टायर व अन्य पात्रों में पानी एकत्रित न होने दें, ताकि मच्छरों का प्रजनन न हो।

**नारनौल।** परिमंडल परिसर में पौधरोपण कर प्लांटेशन ड्राइव का शुभारंभ करते अधीक्षण अभियंता। *फोटो: हरिभूमि*

#### स्वच्छ जल, समुचित उपचार, डायरिया से बचे हर बार

जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि जिले में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की ओर से एक से 31 जुलाई तक स्टॉप डायरिया अभियान-2026 चलाया जा रहा है। यह अभियान भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की विशेष पहल के अंतर्गत स्वच्छ जल, समुचित उपचार, डायरिया से बचे हर बार थीम के साथ पूरे जिले में संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत जिले के सभी ब्लॉकों में टीमें गठित की गई हैं, जो विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों तथा ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों के सदस्यों को सुरक्षित पेयजल व जल गुणवत्ता के प्रति जागरूक कर रही हैं। इसके साथ ही जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, पेयजल की गुणवत्ता की जांच, फील्ड टेस्ट किट का प्रदर्शन, जलापूर्ति योजनाओं में क्लोरीनेशन का प्रशिक्षण तथा स्वच्छता संबंधी विभिन्न आईईसी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

#### टोल-फ्री नंबर पर करें संपर्क

उन्होंने लोगों से नलों को स्टैंड पोस्ट पर लगाने तथा पेयजल पाइपलाइन को गंदी नालियों से होकर न ले जाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग सभी उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। पेयजल एवं सीवर संबंधी किसी भी शिकायत के समाधान के लिए विभाग के टोल-फ्री नंबर 1800-1805678 पर संपर्क किया जा सकता है।

#### ये रहे मौजूद

इस मौके पर कार्यकारी अभियंता प्रदीप कुमार, कार्यकारी अभियंता अमित जैन, उपमंडल अभियंता महेश कुमार, उपमंडल अभियंता मुकेश शर्मा, उपमंडल अभियंता जशवीर, कनिष्ठ अभियंता आकाश, कनिष्ठ अभियंता पिंकी यादव, सहायक राजकुमार सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

**नांगल चौधरी।** मेधावी छात्रा को सम्मानित करती स्कूल प्रबंधन कमेटी।

# सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता: पारस बंसल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

जय अम्बे मां माध्यमिक विद्यालय शहबाजपुर में मेधावी प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन प्राचार्य पूर्णमल की अध्यक्षता में किया गया। समारोह में संस्था के चेयरमैन पारस बंसल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने 10 गांवों में रैली निकालकर नशाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। दृढ़ निश्चय, अनुशासन, अच्छे संस्कार और कठोर परिश्रम ही व्यक्ति को वास्तविक सफलता दिलाते हैं। आज युवाओं में कम मेहनत में अधिक सफलता पाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इसी सोच के कारण कुछ विद्यार्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का सहारा लेते हैं और धीरे-धीरे उनके जीवन में अनैतिकता प्रवेश करने लगती है।

उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि गलत संगति और बुरी आदतों के कारण छोटी उम्र के बच्चे नशे तथा संगीन अपराधों की ओर बढ़ रहे हैं। ऐसे में अभिभावकों, शिक्षकों और समाज की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को नैतिक मूल्यों, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली की ओर प्रेरित करें। समारोह में विद्यालय के बोर्ड परीक्षा परिणाम की भी सराहना की गई। छात्रा किस्मत कुमारी ने 500 में से 494 अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। वहीं 10 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर नया रिकॉर्ड स्थापित किया। सभी मेधावी विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

# नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू करे सरकार: डॉ. राजवती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

आगामी 21 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित होने वाले चलो संसद अभियान की तैयारियों के क्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री डॉ. राजवती यादव ने महिलाओं के साथ व्यापक संवाद कर नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर बैठक आयोजित की।

बैठक के दौरान महिलाओं ने प्रधानमंत्री के नाम पोस्टकार्ड अभियान, मिस्ड कॉल अभियान व हस्ताक्षर अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया और एक स्वर में मांग उठाई कि संसद से पारित महिला आरक्षण कानून (नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023) को बिना किसी देरी के तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। डॉ. राजवती ने कहा कि देश की आधी आबादी को उसका संवैधानिक अधिकार व राजनीतिक प्रतिनिधित्व अब और अधिक समय तक नहीं रोका जा सकता।

संसद द्वारा पारित महिला आरक्षण कानून को लागू करना किसी सरकार का उपकार नहीं, बल्कि संविधान व लोकतंत्र के प्रति उसकी जवाबदेही है। यदि सरकार वास्तव में महिलाओं के सम्मान, समानता और सशक्तिकरण के प्रति गंभीर है, तो उसे नारी वंदन अधिनियम को तुरंत लागू कर करोड़ों महिलाओं की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करना चाहिए।

**नारनौल।** बैठक के दौरान महिलाओं को संबोधित करती डॉ. राजवती।

#### ये रहे मौजूद

बैठक में मोनिका व संतोष के साथ महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता व मातृ शक्ति उपस्थित रही।

# भोजावास गांव में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

कनीना उपमंडल के गांव भोजावास में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाई गई। मुख्य अतिथि नेताजी अतरलाल व अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट हरियाणा के अध्यक्ष अशोक चौहान ने गणमान्य व्यक्तियों के साथ महाराणा प्रताप और भामाशाह के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित व पुष्प अर्पित कर समारोह का शुभारंभ किया। आयोजन समिति ने नेताजी अतरलाल को भाला भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच पवन तंवर ने की। जयंती समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नेताजी अतरलाल व अशोक चौहान ने कहा कि जयंतियां मनाने से समाज में जागरूकता आती है। ये जयंतियां युवाओं में चरित्र निर्माण करती हैं, आत्म सम्मान बढ़ाती हैं और समाज को स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती हैं। इसलिए ऐसी जयंती समारोहों में जरूर भाग लेना चाहिए। भागसिंह चेयरमैन, सीताराम जांगड़ा, अशोक गोयल ने महाराणा प्रताप के जीवन वृतांत का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी को उनके जीवन व शिक्षाओं से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर सामाजिक कार्यों में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए रविंद्र प्रधान झगड़ोली, करतार पाथेड़ा, ओमसिंह खेड़ी, मास्टर प्रहलाद सिंह, मास्टर बलवान, मनीष जांगड़ा व कर्मवीर गोमला को साफा पहनाकर सम्मानित किया। अशोक चौहान, कर्णसिंह चौहान, करतार सिंह चौहान, नरेश, नायब सुमेर सिंह, डॉक्टर जितेंद्र, कैलाश सेठ, अतर सिंह कैमला, राव रघुवीर मुकदम, शेरसिंह यादव थानेदार, सीताराम जांगड़ा, पवन सरपंच, आशु कवि परमानंद पंडित व मेघसिंह तंवर को भी प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

**नारनौल।** महाराणा प्रताप व भामाशाह के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

### जनहित की योजनाओं के लिए आम आदमी पार्टी से जुड़ने का आह्वान

**नारनौल।** आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष गिरीश खेड़ा ने जिले के लोगों से पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर जनहित की नीतियों को मजबूत बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि जनता द्वारा दिए गए टैक्स का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याण की योजनाओं पर होना चाहिए, ताकि प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। गिरीश खेड़ा ने जारी बयान में कहा कि आम आदमी पार्टी बेहतर सरकारी शिक्षा व्यवस्था, हरियाणा के प्रत्येक नागरिक के लिए 10 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज, किसानों के हितों की सुरक्षा, कम दरों पर गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने, महिलाओं को आर्थिक सहायता तथा बुजुर्गों के लिए मुफ्त तीर्थ यात्रा जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के पक्ष में कार्य कर रही है। इसके अलावा अन्य जनहित से जुड़ी योजनाओं को भी प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पार्टी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति इन जनहितकारी नीतियों का समर्थन करता है और पार्टी के साथ जुड़कर सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है, तो वह आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर सकता है।

# मोहल्ला खड़कड़ी में वृष्टि यज्ञ व ऋषि लंगर लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

आर्य समाज मोहल्ला खड़कड़ी की ओर से लोककल्याण, उत्तम वर्षा व समस्त प्राणी मात्र के सुख-समृद्धि की मंगलकामना के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय अन्न वृद्धि यज्ञ व ऋषि लंगर कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति व उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन प्रातः वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ का आयोजन किया गया।

जयपुर से पधारे विद्वान आचार्य उर्षबुध ने प्रवचनों के माध्यम से वैदिक संस्कृति, मानव जीवन के आदर्शों तथा समाज में नैतिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। उनके विचारों से उपस्थित श्रद्धालु अत्यंत प्रभावित हुए। रविवार मुख्य समारोह में पूर्व राज्य मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. आरएन यादव, डीएवी स्कूल के प्राचार्य राजेश कुमार ने उपस्थिति दर्ज कराई।

अतिथियों ने आर्य समाज की ओर से समाजहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम में भजन, वैदिक प्रवचन व ऋषि लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने परिवार सहित भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया।

आर्य समाज के प्रधान नन्दलाल सेठी, कोषाध्यक्ष सुनील कटारिया, सचिव राजेश आर्य व संयोजक अश्वनी कटारिया ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, श्रद्धालुओं व सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

**नारनौल।** मोहल्ला खड़खड़ी में यज्ञ करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

#### ये रहे मौजूद

इस मौके पर दीपक सेठी, सतीश भल्ला, रमेश पुल्याणी, केसी सचदेवा, ओमप्रकाश डुडेजा, विनोद आहूजा, विजय पुल्याणी, वीरेन्द्र शास्त्री, नरोतम सोनी, धर्मचन्द छाबड़ा, संजय अरोड़ा, सतीश पुल्याणी, कैप्टन जगराम आर्य, रमेश शास्त्री, आशीष यादव, विजय गोगिया, रविन्द्र पुल्याणी, अशोक पुल्याणी, ओमप्रकाश वधवा, मदनलाल गोगिया, नरेश गोगिया, महेन्द्र पुल्याणी, राजेन्द्र डुडेजा, सुरेश पाहुजा, शंकर वधवा, कवीन्द्र सचदेवा, रामचन्द्र वधवा आदि उपस्थित रहे।

*हुडा सेक्टर में हुई पर्यावरण संरक्षण संगोष्ठी*

# स्वयंसेवकों ने ली बारिश में पौधरोपण करने की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

लोकसंस्कृति संरक्षण प्रकोष्ठ व महिला यज्ञ एवं योग समिति के सौजन्य से हुडा सेक्टर में पर्यावरण संरक्षण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधों का वितरण व सामुदायिक स्थानों पर रोपण किया गया। प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. कृष्णा कुमारी आर्या व समाजसेवी परमानन्द दीवान की अध्यक्षता में आयोजित इस पौधा वितरण कार्यक्रम में स्वयंसेवकों की टीम ने बरसात के मौसम में अधिक से अधिक पौधे लगाने की शपथ ली। संस्था अध्यक्ष डॉ. कृष्णा आर्या ने बताया कि संस्था लोकसंस्कृति संरक्षण प्रकोष्ठ एवं महिला यज्ञ व योग समिति पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि टीम की ओर से इस वर्ष 1000 पौधों के रोपण का लक्ष्य रखा गया है, इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए टीम प्रतिदिन पौधारोपण कर रही है। इस कार्य क्रियान्वयन में मिथलेश व युगान्ता का विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर गीताबाई, मीरा वर्मा, ललिता यादव, सुनीता यादव, सीमा यादव, सरिता यादव, सुमन देवी , सीमा अग्रवाल, मिथलेश, युगान्ता, शकुंतला, प्रीति बंसल, आदित्य, वरदान, कान्हा आदि उपस्थित रहे।

**नारनौल।** महिलाओं को पौधे वितरित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

# बिशन सैनी को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार सुरक्षा मंच के जिला वरिष्ठ महामंत्री नियुक्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार सुरक्षा मंच के मुख्यालय में आयोजित समारोह के दौरान समाजसेवी एवं पूर्व प्रधान सैनी सभा बिशन सैनी को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार सुरक्षा मंच का जिला वरिष्ठ महामंत्री नियुक्त किया गया। इस अवसर पर मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपकर नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में मंच के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र चौधरी, जिला प्रधान संजय गर्ग सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं व्यापारी वर्ग के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने बिशन सैनी को नई जिम्मेदारी मिलने पर हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके अनुभव, संगठनात्मक क्षमता व समाजसेवा की भावना से व्यापार सुरक्षा मंच को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। गौरतलब है कि बिशन सैनी पूर्व में दो बार सैनी सभा के प्रधान रह चुके हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने समाजहित में अनेक उल्लेखनीय कार्य किए। वर्तमान में वे शहर के प्रसिद्ध धार्मिक ट्रस्ट श्री मां चामुंडा देवी मंदिर के सचिव के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं तथा धार्मिक, सामाजिक व जनहित के कार्यों में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। अपनी नियुक्ति पर बिशन सैनी ने संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे व्यापारियों के हितों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी व समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने जिले के व्यापारियों से संगठन के साथ जुड़कर उसे और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया।

**नारनौल।** बिशन सैनी को नियुक्ति पत्र सौंपते मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग।

#### इन्होंने दी बधाई

बिशन सैनी की इस नियुक्ति पर उन्हें बधाई देने वालों में सैनी सभा के प्रधान हरीश सैनी, सचिव मनीष सैनी, कोषाध्यक्ष कमल सैनी, सैनी सभा के पूर्व उप प्रधान रोहतास सैनी, पूर्व उप प्रधान संजय सैनी, पूर्व महासचिव निहाल सैनी, पूर्व सचिव भारत सैनी, पूर्व कोषाध्यक्ष बलवंत सैनी, राष्ट्रीय सैनी सभा के जिला अध्यक्ष संजय सैनी, पूर्व कार्यकारिणी सदस्य विजय सैनी, धर्मसिंह सैनी, पूर्व कैशियर रामनिवास सैनी, पूर्व पार्षद दिनेश सैनी, अनिल सैनी, इनेलो के वरिष्ठ नेता जयसिंह सैनी, डॉ. राजकुमार सैनी, राष्ट्रीय सैनी सभा जिला महासचिव विजय सैनी, गौतम सैनी, नरेंद्र सैनी, विक्रम सैनी, नरेश सैनी, रोटरी क्लब के पूर्व प्रधान राजकुमार चौधरी, विजय जिंदल, शंकर भार्गव, मास्टर नरवर सैनी, पूर्व हेडमास्टर नौरंग लाल सैनी, मानसिंह सैनी, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष मुकेश जैन सहित समाज व व्यापार जगत के अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल है।

### वरिष्ठ शिक्षाविद् हुक्मचंद सैनी के निधन पर किया शोक व्यक्त

**नारनौल।** प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं पूर्व प्रशासनिक अधिकारी प्राचार्य स्वर्गीय हुक्मचंद सैनी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। एसोसिएशन की ओर से जारी शोक प्रस्ताव में कहा गया कि छह जुलाई को उनके निधन का समाचार शिक्षा जगत के लिए अत्यंत दुखद है। उनके निधन से शिक्षा, सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है। एसोसिएशन ने कहा कि स्व. हुक्मचंद सैनी ने अपना संपूर्ण जीवन शिक्षा के प्रसार और समाज सेवा के लिए समर्पित किया। वे सरल, मिलनसार एवं उच्च विचारों वाले व्यक्तित्व के धनी थे। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की प्रबंध समिति एवं सभी सदस्यों ने स्व. सैनी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

### 3 माह में 117 आरोपित गिरफ्तार, 53 पीओ-बेल जंपर भी दबोचे, एनडीपीएस के 24 केस में 49 पकड़े

# पुलिस की बड़ी कामयाबी : एनडीपीएस, अवैध शराब, हथियार व जुए के मामलों में लगातार कार्रवाई

■ हत्या व हत्या के प्रयास के सभी मामलों का 100 प्रतिशत खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिले में अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस की ओर से चलाए जा रहे विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का दावा है कि एक अप्रैल से अब तक विभिन्न आपराधिक मामलों में सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 118 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही लंबे समय से फरार चल रहे 52 उद्घोषित अपराधियों (पीओ) और एक बेल जंपर को भी पकड़कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधियों में भय का माहौल बना है, वहीं आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।

पुलिस विभाग का कहना है कि जिले की पुलिस टीमों ने जघन्य अपराधों के खुलासे के साथ-साथ नशा तस्करों, अवैध शराब कारोबारियों, अवैध हथियार रखने वालों और अन्य अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया। इस दौरान एनडीपीएस अधिनियम के तहत 24 मामलों में 49 आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 17.294 किलोग्राम गांजा, 115.140 किलोग्राम चूरापोस्त (भुक्की), 184.110 ग्राम चिट्टा/हेरोइन, 67 ग्राम अफीम, 9.840 ग्राम स्मैक तथा 2,436 नशीले कैप्सूल बरामद किए गए। वहीं आबकारी अधिनियम के तहत 23 मामलों में 27 आरोपितों की गिरफ्तारी कर 1124.25 बोतल अवैध शराब, 174.5 बोतल अंग्रेजी शराब, 68.5 बोतल बीयर, 8.25 लीटर कच्ची शराब तथा 30.2 लीटर लाहन बरामद किया गया। अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शस्त्र अधिनियम के 10 मामलों में 13 आरोपितों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से चार देशी कट्टे, छह देशी पिस्टल, 16 कारतूस, एक तलवार और एक जेली (विस्फोटक पदार्थ) बरामद की गई। वहीं जुआ अधिनियम के तहत सात मामलों में 28 आरोपितों को गिरफ्तार कर 63,790 रुपये की नकद जुआ राशि जब्त की गई।

## पारदी गैंग के 7 सदस्य गिरफ्तार

इस अवधि की सबसे बड़ी सफलता बहुचर्चित अंतरराज्यीय पारदी गैंग का पर्दाफाश रही। पुलिस ने गैंग के सात सदस्यों को गिरफ्तार कर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के आवास में चोरी के प्रयास के मामले का खुलासा किया। जांच में सामने आया कि इसी गैंग ने महेंद्रगढ़ व नारनौल क्षेत्र से दो मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों को भी अंजाम दिया था। आरोपितों के खिलाफ विभिन्न राज्यों में हत्या, लूट, गृहभेदन और चोरी जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं। पुलिस ने अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए हत्या के सभी 11 तथा हत्या के प्रयास के सभी सात मामलों का 100 प्रतिशत निस्तारण किया। महिलाओं से संबंधित सभी दर्ज मामलों का भी सफलतापूर्वक समाधान किया गया। इसके अलावा संपत्ति चोरी के मामलों में करीब 40 प्रतिशत संपत्ति बरामद की गई, जबकि मोटरवाहन चोरी के मामलों में 84 प्रतिशत वाहनों की बरामदगी कर उन्हें उनके मालिकों को लौटाया गया।

## सर्च अभियान भी चलाया

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक दीपक ने बताया कि जिले में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की ओर से समय-समय पर विशेष सर्च अभियान भी चलाए गए। इन अभियानों में नशा तस्करों, अवैध शराब कारोबारियों, अवैध हथियार रखने वालों और लंबे समय से फरार अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सख्त कानूनी कार्रवाई की गई। एसपी ने आमजन से कहा है कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि, नशे के कारोबार या संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तत्काल नजदीकी थाना, पुलिस चौकी अथवा डायल-112 पर दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

## खबर संक्षेप

### श्रीराधा कृष्ण संगठन ने निकाली प्रभातफेरी

**नारनौल।** नगर की प्रसिद्ध सामाजिक व धार्मिक संस्था श्री राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 182वीं प्रभात फेरी का आयोजन हुडा सेक्टर से किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य यजमान अरुण नूनीवाला व श्रद्धालुओं के साथ ठाकुर जी की आरती कर किया। नूनीवाला परिवार ने आए हुए भक्तों को चंदन तिलक लगाकर सभी भक्तों का अभिवादन किया। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे बच्चे, बूढ़े, पुरुष, महिलाएं, नौजवान व धर्म प्रेमी लोगों ने ढोल नगाड़ों की थाप पर नाचते, गाते, बजाते राधे नाम का जाप किया।

प्रभात फेरी यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर हुडा सेक्टर में परिक्रमा करके प्रारंभ स्थल पर समाप्त हुई। इससे पूर्व घरों से बाहर निकलकर लोगों ने ठाकुर जी के दर्शन किए व दीपक जलाकर आरती पूजन किया। संगठन की ओर से अगले रविवार को मोहल्ला बावड़ीपुर स्थित शिव मंदिर के पास जसवंत जांगिड़ के निवास स्थान पर आयोजित होने वाली प्रभात फेरी की सूचना दी गई। अंत में राधे रानी, बांके बिहारी के जयकारों के साथ प्रभात फेरी का समापन करते हुए प्रसाद वितरित किया गया।

### जिले में कुल 749607 मतदाताओं में से 662299 प्रपत्रों का डिजिटलाइजेशन पूरा

# विशेष गहन पुनरीक्षण का एक दिन शेष: जनता जल्द जमा करे मतदाता गणना प्रपत्र

99.95 फीसदी गणना प्रपत्रों का वितरण पूरा

88.35 फीसदी डिजिटलाइजेशन काम पूरा

14 जुलाई प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिले में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य अब अंतिम चरण में है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अनुपमा अंजली ने जिले के सभी योग्य और छूटे हुए नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि इस विशेष अभियान के तहत मतदाता गणना प्रपत्र जमा करने के लिए अब सिर्फ एक दिन का समय शेष बचा है। आगामी 14 जुलाई प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय रहते प्रपत्र जमा होने से ही सभी पात्र व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जा सकेंगे, जिससे कोई भी जागरूक नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

### संबंधित मतदान केंद्र स्तरीय अधिकारी से संपर्क कर सहायता ले सकते हैं

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने कहा कि यदि किसी भी नागरिक को अपने प्रपत्र को जमा करने या उसे अपडेट कराने में किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, तो वे तुरंत अपने क्षेत्र के संबंधित मतदान केंद्र स्तरीय अधिकारी से संपर्क कर सहायता ले सकते हैं। इसके अलावा निर्वाचन आयोग की ओर से जिला निर्वाचन कार्यालय में

**विशेष हेल्पलाइन संख्या 01282-1950 भी जारी की गई**

एक विशेष हेल्पलाइन संख्या 01282-1950 भी जारी की गई है, जिस पर कॉल करके किसी भी कार्य दिवस में जरूरी मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है।

डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने वाले नागरिक निर्वाचन आयोग की आधिकारिक ऐप ईसीआईनेट अथवा पोर्टल पर जाकर भी सीधे अपने प्रपत्रों को जमा और अपडेट कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने जिले के सभी राजनीतिक दलों के बूथ स्तरीय एजेंटों से भी इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में सक्रिय योगदान देने की अपील की, ताकि एक पूर्ण रूप से शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिहीन मतदाता सूची तैयार की जा सके।

### पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ अंजाम दिया जा रहा : सुरेन्द्र सिंह

कार्य को पूरी गंभीरता व पारदर्शिता के साथ दिया जा रहा अंजाम

तहसीलदार इलेक्शन सुरेंद्र सिंह ने इस पुनरीक्षण अभियान की प्रगति के

**अब तक कुल 749212 प्रपत्रों का वितरण सफलतापूर्वक संपन्न किया जा चुका है**

बारे में बताया कि प्रशासनिक स्तर पर इस कार्य को पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ अंजाम दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ के चारों विधानसभा क्षेत्रों अटेली, महेंद्रगढ़, नारनौल व नांगल चौधरी में कुल 772 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को तैनात किया गया था, जिन्हें शत-प्रतिशत प्रशिक्षण प्रदान कर मैदान में उतारा गया। जिले के कुल 749607 मतदाताओं से जुड़े इस अभियान के तहत बीएलओ द्वारा बेहतरीन कार्य करते हुए अब तक कुल 749212 प्रपत्रों का वितरण सफलतापूर्वक संपन्न किया जा चुका है, जो कि कुल लक्ष्य का 99.95 प्रतिशत है। प्रपत्रों को ऑनलाइन पोर्टल पर अपडेट करने के काम की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि जिले में अब तक कुल 662299 प्रपत्रों का डिजिटलाइजेशन पूरा किया जा चुका है, जो कुल काम का 88.35 प्रतिशत है। विधानसभा वार स्थिति स्पष्ट करते हुए तहसीलदार इलेक्शन ने बताया कि 68-अटेली में 184860 प्रपत्र (89.36 प्रतिशत), 69-महेंद्रगढ़ में 193174 प्रपत्र (90.27 प्रतिशत), 70-नारनौल में 132653 प्रपत्र (82.92 प्रतिशत) तथा 71-नांगल चौधरी में 151612 प्रपत्रों (89.84 प्रतिशत) का डिजिटलाइजेशन कर दिया गया है। शेष बचे प्रपत्रों को भी पोर्टल पर चढ़ाने के लिए तकनीकी टीमें दिन-रात सक्रिय हैं, ताकि समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत कार्य को मुकम्मल किया जा सके।

### डिजिटलाइजेशन में महेंद्रगढ़ जिला प्रदेश में तीसरे स्थान पर

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत प्रपत्रों के डिजिटलाइजेशन कार्य में जिला महेंद्रगढ़ ने पूरे हरियाणा प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया है। निर्वाचन विभाग की राज्य स्तरीय रिपोर्ट के अनुसार जिला महेंद्रगढ़ में कुल 749607 मतदाताओं में से अब तक 662299 प्रपत्रों का डिजिटलाइजेशन सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है, जो कुल कार्य का 88.35 फीसदी है। प्रदेशभर के 22 जिलों की सूची में 91.67 फीसदी कार्य के साथ फतेहाबाद पहले व 88.43 फीसदी के साथ कैथल दूसरे स्थान पर है, जबकि महेंद्रगढ़ जिला इन दोनों के ठीक बाद राज्य में तीसरे पायदान पर मजबूती से बना हुआ है। जिले के 772 बूथ लेवल अधिकारियों की दिन-रात की मेहनत औव तकनीकी टीमों की सक्रियता के चलते जिला इस गौरवशाली स्थान पर पहुंचा है।

नारनौल। नीतीश कुमार को मिठाई खिलाते टिंकू प्रधान। फोटो : हरिभूमि

## हौसलों की उड़ान: शारीरिक चुनौतियों को मात देकर नीतीश कुमार बने आईएएस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

कहा जाता है कि यदि मन में कुछ कर गुजरने का दृढ़ संकल्प हो, तो बड़ी से बड़ी कठिनाई भी रास्ता छोड़ देती है। जिले के खटोटी कलां गांव के रहने वाले नीतीश कुमार ने इस कहावत को सच साबित कर दिखाया है। शारीरिक चुनौतियों और गंभीर बीमारी से संघर्ष करते हुए उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 847 प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नीतीश कुमार की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो छोटी-छोटी कठिनाइयों के कारण अपने सपनों से समझौता कर लेते हैं। कम कद और गंभीर बीमारी के चलते वे किशोरावस्था तक नियमित रूप से स्कूल भी नहीं जा सके। ऐसे कठिन समय में उनकी माता केला देवी ने उनका हौसला कभी टूटने नहीं दिया। वे उन्हें अपनी पीठ पर बैठाकर स्कूल ले जाया करती थी। वर्षों के संघर्ष और लगातार पांचवें प्रयास में मिली इस सफलता ने साबित कर दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति, कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास के आगे कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती।

नीतीश कुमार की इस प्रेरणादायी उपलब्धि पर युवा साथी ग्रुप हरियाणा एवं उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा की ओर से 14 जुलाई को प्रातः 11 बजे रेड क्रॉस भवन में भव्य अभिनंदन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। संस्था प्रतिनिधि टिंकू प्रधान ने कहा कि नीतीश कुमार की सफलता केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं बल्कि संघर्ष, साहस और आत्मविश्वास की मिसाल है।

## पत्रकार सुरेश लावनिया की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा

**महेंद्रगढ़।** वरिष्ठ पत्रकार एवं अनेक सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि रहे स्वर्गीय सुरेश लावनिया की पुण्य स्मृति में श्री रामलीला परिषद प्रांगण में एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, पत्रकारिता एवं राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया।इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय सुरेश लावनिया ने पत्रकारिता को सदैव निष्पक्षता, ईमानदारी और जनसेवा का माध्यम बनाया। उन्होंने समाजहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया तथा अनेक सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई। उनका सरल, मिलनसार एवं सेवाभावी व्यक्तित्व सदैव लोगों को प्रेरित करता रहेगा।श्रद्धांजलि सभा में सेवानिवृत्त मुख्याध्यापक रामावतार शास्त्री, नरेश चेयरमैन, सुशील शर्मा, कैलाश पाली, मुकेश मेहता, सुरेश मक्कड़, रमेश कौशिक, पत्रकार संघ के प्रधान प्रदीप बालरोडिया, व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र बंटी तथा नवीन राव सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने शब्दों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय सुरेश लावनिया ने पत्रकारिता को सदैव निष्पक्षता, ईमानदारी और जनसेवा का माध्यम बनाया। सभा के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। इस अवसर पर अनेक संख्या में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## मंडल ने 3 गोशालाओं में लगाई सवामणी

**नारनौल।** गोसेवा मंडल के सौजन्य से शहर की विभिन्न गोशालाओं में तीन सवामणियां श्रद्धा व सेवा भाव के साथ आयोजित की गई। इन आयोजनों में गोभक्तों ने गोमाताओं को हरा चारा व अन्य खाद्य सामग्री अर्पित कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। पहली सवामणी श्री अनाथ गोशाला में श्री श्याम कृपा हुडा कॉलोनी ग्रुप की ओर से लगाई गई। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने गोसेवा को मानवता की सच्ची सेवा बताते हुए नियमित रूप से गोशालाओं के सहयोग का संकल्प लिया। इस मौके पर संस्थापक मुकेश यादव, राजेश यादव, दलीप यादव, संतोष यादव, खेमचंद शर्मा, सुरेंद्र यादव आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

## विकास कार्यों का जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार ने किया लोकार्पण

**मंडी अटेली।** अटेली क्षेत्र के ग्राम कलवाड़ी में जिला परिषद द्वारा कराए गए विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार ने किया। इस दौरान गांव में निर्मित सड़कों एवं टीनशेड का विधिवत उद्घाटन किया गया। ग्राम पंचायत कलवाड़ी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर उत्साह का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान सरपंच बाबूलाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए गांव की प्रमुख मांगों को उनके समक्ष रखा। उन्होंने बाबा समसखा देव मंदिर मार्ग के निर्माण की मांग उठाई एवं डॉ. राकेश कुमार द्वारा गांव में करवाए गए विकास कार्यों के लिए समस्त ग्रामवासियों की ओर से आभार जताया।

इस मौके पर पंचायत समिति चेयरमैन राजकुमार ने भी ग्रामीणों को संबोधित करते हुए गांव की व्यायामशाला में नई पाइपलाइन बिछवाने तथा मैरिज प्लेस में टीनशेड निर्माण करवाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर जरामदास मंदिर पाली के प्रधान, सुनील चेयरमैन, अजय यादव, बबलू ठेकेदार, धर्मवीर तुर्कीवास, ग्रीवेंस सदस्य सोनू दौंगड़ा, कुलदीप, पूर्व सरपंच अजीत, कंवर सिंह, प्रदीप ठेकेदार आदि गणमान्य ग्रामीण मौजूद रहे।

## आईएमटी, शहर की बदहाल व्यवस्था को लेकर कांग्रेस आंदोलन तेज करेगी: सत्यवीर झूकिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सत्यवीर झूकिया के नेतृत्व में रविवार को यादव धर्मशाला में कांग्रेस की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी आठ ब्लॉक अध्यक्षों, जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। बैठक की जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष सत्यवीर झूकिया ने बताया कि कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए जल्द ही जिला उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव, ब्लॉक अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी गांव-गांव, गली-गली, शहर और मोहल्लों में जाकर कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने का अभियान चलाएंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में तीन प्रमुख मुद्दों पर आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। पहला, महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गांव खुड़ाना में 24 फरवरी 2019 को तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं वर्तमान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल द्वारा किए गए आईएमटी के शिलान्यास के बावजूद अब तक कार्य शुरू नहीं होने के विरोध में कांग्रेस सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करेगी। उनका आरोप है कि छह वर्ष बीत जाने के बाद भी परियोजना पर एक प्रतिशत भी कार्य नहीं हुआ।

महेंद्रगढ़। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक लेते जिला प्रधान सत्यवीर झूकिया।

दूसरा, बरसात के दौरान महेंद्रगढ़ शहर में जलभराव, टूटी सड़कों और खराब जल निकासी व्यवस्था के विरोध में कांग्रेस सड़क पर उतरेगी। झूकिया ने कहा कि शहर में जगह-जगह पानी भरने से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा मच्छरों के बढ़ने से बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ गया है।

### ये रहे मौजूद

संगठन महासचिव एडवोकेट मंजीत यादव, जिला उपाध्यक्ष और अग्रणी संगठनों के इंचार्ज एडवोकेट कुलदीप भरगढ़, महिला जिलाध्यक्ष डॉ राजवती यादव, एससी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष तोताराम कोहली, पंचायत राज के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र पराशर, सभी ब्लॉक अध्यक्ष और जिला कार्यकारिणी के अधिकतर पदाधिकारी मौजूद रहे।

## ग्यारह साल से कच्ची पड़ी है मातादीन अस्पताल वाली गली

**नारनौल।** महावीर चौक से बस स्टैंड रोड स्थित डॉ. मातादीन अस्पताल वाली गली शहर के बीचोंबीच होने के बावजूद पिछले करीब 11 वर्षों से कच्ची पड़ी है। गली का निर्माण नहीं होने से यहां हर समय धूल-मिट्टी उड़ती रहती है और गंदगी का अंबार लगा रहता है। हैरानी की बात यह है कि इस गली में आज तक सीवर लाइन भी नहीं डाली गई, जबकि यहां दो अस्पतालों के अलावा अनेक व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी संचालित हैं।

स्थानीय निवासी विराट सैनी, गोविंद सैनी, विकास कुमार, प्रदीप, दीपक सैनी और अनिल कुमार ने नगर परिषद एवं वार्ड नंबर-4 के पार्षद पर उपेक्षा का आरोप लगाया है। विराट सैनी ने बताया कि मुख्य बस स्टैंड मार्ग से अंदर तक यह गली महज 125 फुट लंबी है, लेकिन वर्षों से इसका निर्माण नहीं कराया जा रहा। गली को पक्का करवाने के लिए वे सीएम विंडो तक शिकायत कर चुके हैं। इसके अलावा गत 23 मार्च को उन्होंने विधायक ओमप्रकाश यादव को भी ज्ञापन दिया था, जिस पर विधायक ने संबंधित नगर परिषद अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया था।

वारदात | छह किसानों को बनाया निशाना, पहले भी हो चुकी हैं ऐसी वारदातें, पुलिस से रात में गश्त बढ़ाने की मांग

# एक ही रात में कई किसानों के ट्यूबवेलों से थ्री-फेज केबल चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

क्षेत्र के गांव सिलारपुर में अज्ञात चोरों ने एक ही रात में कई किसानों के ट्यूबवेलों को निशाना बनाते हुए हजारों मीटर थ्री-फेज बिजली की केबल चोरी कर ली। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से किसानों में दहशत और रोष है। पीड़ित किसानों की शिकायत पर अटेली थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में गांव सिलारपुर निवासी दिनेश उर्फ बबलू ने बताया कि वह गांव के न्यू हिन्दू हाई स्कूल की बस चलाता है। शनिवार सुबह उसे जानकारी मिली कि रात के दौरान गांव के कई किसानों के ट्यूबवेलों से मोटरों की थ्री-फेज केबल चोरी हो गई है। सूचना मिलने पर जब वह बस स्टैंड के पास स्थित अपने ट्यूबवेल पर पहुंचा तो वहां भी मोटर की केबल कटी हुई और गायब मिली। इसके बाद उन्होंने अन्य किसानों से संपर्क किया तो पता चला कि शक्ति, सुनील कुमार, प्रदीप सिंह, कृष्ण और रामकिशन के ट्यूबवेलों से भी चोर थ्री-फेज केबल चोरी कर ले गए हैं। शिकायत के अनुसार चोरों ने गांव के अन्य ट्यूबवेलों को भी निशाना बनाने का प्रयास किया, लेकिन किसी कारणवश वे वहां चोरी करने में सफल नहीं हो सके।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई बार ट्यूबवेलों से बिजली की केबल और नोजल चोरी हो चुके हैं। लगातार हो रही वारदातों के कारण किसानों में असुरक्षा का माहौल है और उन्हें अपनी कृषि सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होने की चिंता सता रही है। घटना की सूचना मिलने पर डायल-112 पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पीड़ित किसानों ने पुलिस प्रशासन से चोरी गई केबलों की बरामदगी, आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही गांव और आसपास के खेतों में रात के समय नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने की भी मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह की चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

**वारदातों के कारण किसानों में असुरक्षा का माहौल**

**कृषि सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होने की चिंता सता रही**

### संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज, साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

अटेली थाना पुलिस के अनुसार शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच एएसआई जसबीर सिंह को सौंपी गई है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।